झूले सिया सुकुमारी ना

झूला लगे जनक फुलवारी,
झूले सिया सुकुमारी ना ।

काही के डोर काहि का पलना,
काही के डारी ना, सखी हो,
झूला लगे जनक फुलवारी,
झूले सिया सुकुमारी ना ।

रेशम के डोर चंदन का पलना,
अमुआ की डारी ना, सखी हो,
झूला लगे जनक फुलवारी,
झूले सिया सुकुमारी ना ।

के हो झूलत के हो झुलावत,
बारी बारी ना, सखी हो,
झूला लगे जनक फुलवारी,
झूले सिया सुकुमारी ना ।

राम जी झूलत सिया जी झुलावत,
सिया जी झूलत राम जी झुलावत,
बारी बारी ना, सखी हो,
झूला लगे जनक फुलवारी,
झूले सिया सुकुमारी ना ।

Shweta Pandey (Varanasi)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28177/title/jhule-siya-sukumari-na

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |